Traditional Food Festival 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर 'पारंपरिक खाद्य महोत्सव' मनाया गया

महेन्द्र कुमार दैनिक आवाज जनादेश सुन्नी

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को राजकीय महाविद्यालय धामी में एनएसएस एवं धामी सामाजिक संस्था के संयुक्त प्रयास से 'पारंपरिक खाद्य महोत्सव' का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य, संस्कृति एवं आर्थिकी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में एनएसएस स्वयंसेविकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा स्थानीय खाद्य पदार्थों एवं व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें कोदा, काउनी, चीनी, जौ, मक्का आदि अनाजों के साथ ही माश, कुल्थ, चना आदि दालें तथा स्थानीय सब्जियां, मसाले एवं फल प्रदर्शित किए गए। इस दौरान सत्तू, एंकालू, चिलड़े, बाथू की खीर, पतीड़, कुलथनी, कचौड़ी, पोलढू, दही भल्ले, पूड़े, लूशिया, घी का मीठा, रोटकू, पुन्त्र का साग, सत्तू की बेदुवा रोटी, मक्के की आर्यी बेदुवा रोटी आदि पारंपरिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए। अनुष्का ने 'मोटे अनाजों का महत्व' तथा खुशबू ने 'जैविक खेती का महत्व' पर शोधपत्र पढ़े। स्वयंसेविकों ने सुंदर पोस्टर बनाकर पारंपरिक खाद्य पदार्थों का प्रचार-प्रसार भी किया। इस अवसर पर स्वयंसेविका भारती, अंबिका, ममता, पूनम, अंजलि, ममता बंसल, दीक्षा, कीर्ति ने सरस्वती वंदना तथा एनएसएस गीत गाया तथा पारीख व सखियों ने लोकनृत्य नाटी प्रस्तुत की। समारोह के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. अनेश कपूर ने स्वयंसेविकों को स्थापना दिवस की बधाई दी तथा अपने भाषण में कहा कि मोटा अनाज स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। इनके बेहतर विपणन से रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने समुदाय के विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना की भागीदारी की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष पवन शर्मा, उपप्राचार्य डॉ. संतोष ठाकुर तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रवीण जोरट, डॉ. ज्ञान, डॉ. मीत तथा कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। धामी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी की प्रशंसा करते मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

परंपरागत व्यंजनों की खुशबू से महका धामी कॉलेज का परिसर

कॉलेज में किया गया खाद्य उत्सव का आयोजन

धामी कॉलेज में आयोजित स्थानीय व्यंजनों की लगाई प्रदर्शनी। अमर

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। राजकीय महाविद्यालय धामी में एनएसएस के स्थापना दिवस पर खाद्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें परंपरागत व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए थे।

धामी सोशियलॉजिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में हुए इस आयोजन में स्वास्थ्य, संस्कृति और युवाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने की जानकारी दी। एनएसएस स्वयं सेवियों ने स्थानीय खाद्य पदार्थों और व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई। इसमें कोदा, कावणी, चीणी, जौ, मक्की आदि अनाजों, माश, कुल्थ, चना आदि दालों, स्थानीय स्तर पर पैदा की जाने वाली सब्जियों मसालों एवं फलों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा सत्तू, एकलू, चिलड़े, बाथू की खीर, पतीड़, कुल्थानी, कचौरी, पोलड़ु, दही भल्ले, पुड़ड़े, टुटिया, घीये का मीठा, रोटकू, लुछ का साग, सत्तू की बेड़ुआ रोटी के स्टॉल भी लगाए थे। अनुष्का ने मोटे अनाजों और खुशबू ने जैविक खेती का महत्व बताया। स्वयं सेवियों ने पोस्टरों के माध्यम से परंपरागत खाद्य पदार्थों के सेवन करने के लाभ बताए।

पारखी एवं सखियों ने नाटी डाली। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. जनेश कपूर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष पवन शर्मा, उपप्राचार्य डॉ. संतोष ठाकुर, शिक्षक डॉ. प्रवीण जरेट सहित अन्य मौजूद रहे।

सुविधा

स्वास्थ्य एवं परिवार

धामी कॉलेज में खाद्य उत्सव का किया आयोजन

सुन्नी। धामी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर एनएसएस तथा धामी सोशियो लॉजिकल एसोसिएशन के प्रयासों से परंपरागत खाद्य उत्सव का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य, संस्कृति तथा आर्थिकी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित इस उत्सव में एनएसएस के वालंटियर्स तथा विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय खाद्य पदार्थों व व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें कोदा, कावणी, चीणी, जौ, मक्की आदि अनाजों सहित माश, कुल्थ, चना आदि दालों तथा स्थानीय सब्जियों मसालों एवं फलों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान परंपरागत व्यंजनों जैसे सत्तू, एकलु, चिलड़े, बथु की खीर, पतिड़, कुल्थानी, कचौरी, पोलड़ु, दही भल्ले, पुड़ड़े, टुटिया, घिये का मीठा, रोटकू, लुछ का साग, सत्तू की बेड़ुवा रोटी, मक्की की अरबी बेड़ुआ रोटी आदि का प्रदर्शन किया गया।

विद्यार्थियों ने लगाई खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी

महेंद्र कुमार, सुन्नी। राजकीय महाविद्यालय धामी में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर एनएसएस तथा धामी सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन के सयुंक्त प्रयासों से 'परम्परागत खाद्य उत्सव' का आयोजन किया गया। इस उत्सव में एनएसएस के वालंटियर्स तथा विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय खाद्य पदार्थों व व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। उत्सव के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. जनेश कपूर ने वालंटियर्स को स्थापना दिवस की बधाई दी।